नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणाप्रतापस्नातकोत्तरमहाविद्यालय

जंगल धूसड़-गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांक 11.09.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी०जी० कालेज, जंगल धूसड़, में कवियत्री महादेवी वर्मा की पूण्यतिथि एवं आचार्य विनोवा भावे जयन्ती के अवसर पर आयोजित सभा में व्याख्यान देते हुए हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ० आरती सिंह ने कहा कि महादेवी वर्मा हिन्दी की सर्वाधिक प्रतिभावान कवियत्रियों में से हैं। आधुनिक हिन्दी की सबसे सशक्त कवियत्रियों में से एक होने के कारण इन्हें आधुनिक मीरा के नाम से भी जाना जाता है। कवि निराला ने इन्हे हिन्दी के विशाल मंदिर की सरस्वती भी कहा है। महादेवी ने स्वतंत्रता के पहले के भारत को भी देखा है और बाद का भी। वे उन कवियों में से एक है जिन्होनें व्यापक समाज में काम करते हुए भारत के भीतर विद्यामन हाहाकार, रूदन, देखा, परखा और करूण होकर अन्धकार को दूर करने वाली दृष्टि देने की कोशिश की। न केवल उनका काव्य बल्की उनके समाज सुधार के कार्य और महिलाओं के प्रति उनकी चेतना तथा भावना भी इस दृष्टि से प्रभावित रही। उन्होंने मन की पीड़ा को बड़े श्नेह व श्रृंगार से सजाया जो उनके पाठकों ही नही आलोचकों एवं समीक्षकों को भी गहराई तक प्रभावित किया। डॉ० आरती सिंह ने कहा कि आज ही के दिन आचार्य विनोवा भावे जी की जयन्ती भी है, वे भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा प्रसिद्ध गांधीवादी नेता थे। उन्हे भारत का राष्ट्रीय अध्यापक तथा महात्मा गांधी का उत्तराधिकारी समझा जाता है। भूदान आन्दोलन सन्त विनोवा भावे द्वारा सन १९५१ में आरम्भ किया गया। जिसकी प्रसिद्वी के पश्चात वे गांधी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी के रूप में विख्यात हो गये विनोबा जी ने न केवल गांधी जी के विचारों के व्याख्या की वरन् उसमें युगानुकूल परिवर्तन कर उसे आगे भी बढ़ाया।

इस अवसर पर डॉ० अभय श्रीवास्तव, डॉ० शिवकुमार बर्नवाल, डॉ० आर०एन० सिंह, डॉ० विजय चौधरी, श्री नन्दन शर्मा, डॉ० सुभाष कुमार गुप्ता, डॉ० प्रज्ञेश मिश्र सहित शिक्षक विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

(डॉ0 राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी